SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Linguist

भाषाविद् मानव भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन करता है — शब्दों की संरचना, ध्वनियाँ (ध्वनिविज्ञान), व्याकरण, अर्थ, और यह कि भाषा समाज व मस्तिष्क के साथ कैसे जुड़ी है। कुछ भाषाविद् लुप्तप्राय व जनजातीय भाषाओं का फील्डवर्क करके...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/linguist

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

भाषाविद् मानव भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन करता है — शब्दों की संरचना, ध्वनियाँ (ध्वनिविज्ञान), व्याकरण, अर्थ, और यह कि भाषा समाज व मस्तिष्क के साथ कैसे जुड़ी है। कुछ भाषाविद् लुप्तप्राय व जनजातीय भाषाओं का फील्डवर्क करके दस्तावेज़ीकरण और संरक्षण करते हैं, कुछ शब्दकोश व व्याकरण तैयार करते हैं, तो कुछ 'कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स' में काम करते हुए मशीन ट्रांसलेशन, वॉइस असिस्टेंट, चैटबॉट और एआई भाषा मॉडल बनाते हैं। भारत में 'भाषिणी' जैसी सरकारी परियोजनाओं और गूगल-माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों की भाषा टीमों के कारण यह क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहा है और अच्छी कमाई देता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	12वीं के बाद बी.ए. + एम.ए. भाषाविज्ञान (शोध हेतु पीएच.डी.)
कोर्स अवधि	बी.ए. 3 वर्ष + एम.ए. 2 वर्ष
आरंभिक वेतन	₹25,000–45,000/माह (एनएलपी में अधिक)
कार्य-शैली	अध्यापन, शोध, फील्ड दस्तावेज़ीकरण व टेक/एआई भाषा कार्य

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- भाषाओं, शब्दों और ध्वनियों की बनावट में गहरी रुचि
- अलग-अलग समुदायों की बोलियों और संस्कृति को समझना पसंद
- तकनीक, एआई और भाषा मिलाकर नई चीज़ें बनाने का उत्साह

क्षमताएँ

- पैटर्न पहचानने और तार्किक-विश्लेषणात्मक सोच
- बारीक सुनने की क्षमता और भाषाओं को जल्दी सीखना
- धैर्य के साथ फील्डवर्क, नोट लेखन और डेटा विश्लेषण

ज़रूरी कौशल

- ध्वनिविज्ञान, आकृतिविज्ञान, वाक्य-विन्यास और अर्थविज्ञान का ज्ञान
- फील्डवर्क, भाषा दस्तावेज़ीकरण और साक्षात्कार लेना

- अंतरराष्ट्रीय ध्वन्यात्मक वर्णमाला (IPA) में लिप्यंतरण
- कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स/एनएलपी और पायथन जैसी प्रोग्रामिंग
- शोध लेखन, अनुवाद और स्पष्ट प्रस्तुति
- कम से कम दो-तीन भाषाओं पर अच्छी पकड़
- शब्दकोश, कॉर्पस और भाषिक डेटासेट तैयार व एनोटेट करना

4 कैसे पहुँचें

1. 12वीं किसी भी संकाय (कला/विज्ञान/वाणिज्य) से पास करें; भाषा व गणित/तर्क में अच्छी पकड़ मददगार है।
2. बी.ए. (भाषाविज्ञान/भाषा) या किसी विषय में स्नातक करें; कई जगह प्रवेश CUET (UG) से होता है।
3. एम.ए. भाषाविज्ञान/कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स में CUET (PG) के माध्यम से प्रवेश लें।
4. अध्यापन व शोध के लिए UGC NET/JRF (भाषाविज्ञान) उत्तीर्ण करें और पीएच.डी. करें।
5. टेक/एआई दिशा के लिए पायथन, मशीन लर्निंग और एनएलपी सीखें तथा प्रोजेक्ट व इंटर्नशिप करें।
6. फील्ड दस्तावेज़ीकरण, अनुवाद या कंपनी की भाषा टीम — अपनी रुचि के अनुसार करियर पथ चुनें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- CUET (UG) — केंद्रीय विश्वविद्यालयों में बी.ए. प्रवेश हेतु
- CUET (PG) — एम.ए. भाषाविज्ञान/कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स प्रवेश हेतु
- UGC NET/JRF (भाषाविज्ञान) — सहायक प्रोफेसर व शोध फेलोशिप हेतु

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Central University of Rajasthan — Department of Linguistics — अजमेर, राजस्थान (https://curaj.ac.in/departments/department-linguistics)
- University of Rajasthan — जयपुर, राजस्थान (https://www.uniraj.ac.in/)
- Jawaharlal Nehru University — Centre for Linguistics — नई दिल्ली (https://www.jnu.ac.in/)
- The English and Foreign Languages University (EFLU) — हैदराबाद (https://www.efluniversity.ac.in/)
- Central Institute of Indian Languages (CIIL) — मैसूर, कर्नाटक (https://www.ciil.org/)

निजी संस्थान

- Deccan College Post-Graduate & Research Institute — पुणे, महाराष्ट्र (https://deccancollegepune.ac.in/)

- IIT Madras / IIIT Hyderabad — कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स व एनएलपी शोध — चेन्नई / हैदराबाद (https://ai4bharat.iitm.ac.in/)

ऑनलाइन

- SWAYAM — भाषाविज्ञान व एनएलपी ऑनलाइन पाठ्यक्रम — ऑनलाइन (https://swayam.gov.in/)
- NPTEL — नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग कोर्स — ऑनलाइन (https://nptel.ac.in/)

फ़ीस

सरकारी विश्वविद्यालयों (सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जेएनयू, ईएफएलयू, यूनिराज) में बी.ए./एम.ए. भाषाविज्ञान की फीस बहुत कम — लगभग ₹5,000–25,000 प्रति वर्ष होती है। निजी संस्थानों व एनएलपी/डेटा साइंस के विशेष कोर्स की फीस ₹50,000 से कई लाख तक हो सकती है। SWAYAM/NPTEL के ऑनलाइन कोर्स प्रायः निःशुल्क हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- UGC NET-JRF फेलोशिप (शोध हेतु) (https://www.ugc.gov.in/)
- SJE Rajasthan Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- Buddy4Study — Arts & Humanities Scholarships (https://www.buddy4study.com/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

विश्वविद्यालय व कॉलेज, शोध संस्थान (सीआईआईएल, भाषा संस्थान), फील्ड साइट व जनजातीय क्षेत्र, प्रकाशन व अनुवाद कंपनियां, और गूगल/माइक्रोसॉफ्ट जैसी टेक कंपनियों की भाषा व एआई टीमें।

कार्य-संस्कृति

अध्यापन-शोध में लचीले घंटे पर पढ़ाई-लेखन का दबाव रहता है; फील्डवर्क में यात्रा व समुदाय के साथ लंबा समय बिताना पड़ता है; टेक/एनएलपी नौकरियों में टीम के साथ प्रोजेक्ट-आधारित, डेडलाइन वाला दफ्तर या रिमोट काम होता है।

कौन नौकरी देता है

- विश्वविद्यालय, कॉलेज और भाषाविज्ञान विभाग
- सरकारी संस्थान — सीआईआईएल, भाषिणी, एनसीईआरटी, साहित्य अकादमी
- गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न व एप्पल की भाषा/वॉइस टीमें
- एआई/एनएलपी और वॉइस स्टार्टअप (AI4Bharat, Sarvam AI, Gnani.ai जैसी)
- प्रकाशन, अनुवाद व लोकलाइज़ेशन कंपनियां
- भाषा दस्तावेज़ीकरण एनजीओ व संग्रहालय/अभिलेखागार परियोजनाएं

माँग (2026)

एआई और नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी) के तेज़ विकास ने भाषाविदों की मांग को नई ऊँचाई दी है — चैटबॉट, वॉइस असिस्टेंट, मशीन ट्रांसलेशन और भारतीय भाषाओं के एआई मॉडल के लिए भाषा विशेषज्ञ चाहिए। भारत सरकार की 'भाषिणी' परियोजना 22 अनुसूचित भाषाओं पर काम कर रही है, और भाषा दस्तावेज़ीकरण व अध्यापन में भी स्थिर अवसर हैं। कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स इस क्षेत्र का सबसे तेज़ बढ़ता और सबसे अच्छी कमाई वाला हिस्सा है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. शोध सहायक / जूनियर भाषाविद् / लिंग्विस्टिक एनोटेटर
2. भाषाविद् / कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्ट / सहायक प्रोफेसर
3. वरिष्ठ भाषाविद् / एनएलपी लीड / एसोसिएट प्रोफेसर
4. प्रोफेसर / प्रधान वैज्ञानिक / भाषा विभाग प्रमुख

कमाई

शुरुआत	₹25,000–45,000/माह
मध्य स्तर	₹60,000–1,20,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹1,50,000–2,50,000+/माह

शुद्ध भाषाविज्ञान/अध्यापन में शुरुआती आय मध्यम (लगभग ₹25,000–45,000/माह) रहती है और प्रोफेसर स्तर पर बढ़ती है। कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स/एनएलपी में कमाई कहीं अधिक है — upGrad के अनुसार एनएलपी इंजीनियर की शुरुआती आय लगभग ₹5–10 लाख/वर्ष, मध्य स्तर ₹10–19.5 लाख/वर्ष और वरिष्ठ स्तर ₹26–29 लाख/वर्ष तक होती है। शहर, कौशल और अनुभव से अंतर आता है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- एआई/एनएलपी बूम से तेज़ी से बढ़ते, अच्छी कमाई वाले अवसर
- भाषाओं व संस्कृति को संरक्षित करने का सार्थक, बौद्धिक काम
- अध्यापन, शोध, टेक और अनुवाद — कई विविध करियर रास्ते

चुनौतियाँ

- अच्छी नौकरी के लिए अक्सर एम.ए./पीएच.डी. तक लंबी पढ़ाई ज़रूरी
- शुद्ध अकादमिक/दस्तावेज़ीकरण में शुरुआती वेतन सीमित
- फील्डवर्क में यात्रा, कठिन परिस्थितियाँ और धैर्य की मांग

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Pushpak Bhattacharyya
प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे; भारतीय एनएलपी के प्रणेता और ACL के अध्यक्ष (2016–17)

शिलांग में जन्मे पुष्पक भट्टाचार्य आईआईटी बॉम्बे में कंप्यूटर विज्ञान के प्रोफेसर बने और उन्होंने भाषा तथा कंप्यूटर को जोड़कर 'कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स' को भारत में स्थापित किया। उन्होंने CFILT प्रयोगशाला की स्थापना कर IndoWordNet जैसे बहुभाषी शब्द-संसाधन और मशीन ट्रांसलेशन पर काम किया, 350 से अधिक शोध-पत्र लिखे और 300 से ज़्यादा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। 2016–17 में वे प्रतिष्ठित एसोसिएशन फॉर कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स (ACL) के अध्यक्ष बने और 'भारतीय एनएलपी के गॉडफादर' कहलाए। उनकी कहानी दिखाती है कि भाषा के प्रति प्रेम को तकनीक से जोड़कर विश्व-स्तरीय करियर बनाया जा सकता है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Pushpak_Bhattacharyya

Anvita Abbi
भाषाविद् व पूर्व प्रोफेसर, जेएनयू; ग्रेट अंडमानी भाषाओं की दस्तावेज़ीकर्ता, पद्मश्री (2013)

अनविता अब्बी भारत की जानी-मानी भाषाविद् हैं जिन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भाषाविज्ञान केंद्र में अध्यापन किया और अल्पसंख्यक व जनजातीय भाषाओं पर शोध किया। 'वैनिशिंग वॉइसेज़ ऑफ द ग्रेट अंडमानी' परियोजना के तहत उन्होंने अंडमान की लुप्तप्राय भाषाओं का फील्डवर्क कर दस्तावेज़ीकरण किया और सिद्ध किया कि ग्रेट अंडमानी एक अलग भाषा-परिवार है। उन्होंने 19 पुस्तकें लिखीं/संपादित कीं, जिनमें ग्रेट अंडमानी का व्याकरण व अंग्रेज़ी–ग्रेट अंडमानी–हिंदी शब्दकोश शामिल है। 2013 में पद्मश्री और 2015 में लिंग्विस्टिक सोसाइटी ऑफ अमेरिका का केनेथ हेल अवॉर्ड पाने वाली अनविता उन लड़कियों के लिए प्रेरणा हैं जो भाषा-संरक्षण को करियर बनाना चाहती हैं।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Anvita_Abbi

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- दुभाषिया
- अंग्रेजी साहित्य के विद्वान
- अनुवादक

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – भाषाविद् — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%b7%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%a6%e0%a5%8d/

2. सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान – भाषाविज्ञान विभाग — https://curaj.ac.in/departments/department-linguistics

3. भारतीय भाषा संस्थान (CIIL), मैसूर — https://www.ciil.org/

4. भाषिणी – भारत सरकार की भाषा एआई परियोजना — https://bhashini.gov.in/

5. upGrad – एनएलपी इंजीनियर सैलरी — https://www.upgrad.com/blog/nlp-engineer-salary-india-freshers-experienced/

6. पेस्केल – भाषाविद् सैलरी भारत — https://www.payscale.com/research/IN/Job=Linguist/Salary

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in